वार्षिक आख्या : आउटरीच कार्यक्रम

फरवरी 28,2023

कार्यक्रम का नाम: सड़क सुरक्षा हेतु जागरूकता

कार्यक्रम स्थल: कटरा, प्रयागराज

विद्यार्थियों की संख्या: 70

सड़क सुरक्षा हेतु जागरूकता फ़ैलाने हेतु शिक्षाशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों अपने शिक्षक डॉ मनीष कुमार गौतम के नेतृत्त्व में विश्वविद्यालय के निकट कटरा क्षेत्र में वृहद कार्यक्रम का आयोजन 28 फरवरी 2023 को किया गया | कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यार्थियों द्वारा सड़क जागरूकता रैली निकल कर की गई | इस रैली को कचहरी स्थित चौकी प्रभारी श्री एस. कुमार एवं श्री डी. मिश्रा द्वारा हरी झंडी दिखाई गई | रैली प्रारंभ होने से पूर्व सम्मानित अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित भी किया तथा उनके द्वारा आयोजित इस रैली हेतु साधुवाद भी दिया| रैली कचहरी होते हुए लक्ष्मी चौराहे होते हुए विश्वविद्यालय गेट पर सपंन्न हुई | इसके उपरांत समस्त विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूहों में विभजित किया गया तथा उन्हें विश्वविद्यालय के आस-पास के विभिन्न चौराहों पर लोगों को जागरूक करने का दायित्व सौंपा गया | जिसमें बिना हेलमेट पहने दो पहिया वाहनों को चलाने वाले व्यक्तियों को हेलमेट पहनने के महत्त्व को बताया गया | विद्यार्थियों ने विभिन्न लोगों से बातचीत कर उन्हें सड़क सुरक्षा के विभिन्न नियमों एवं आवश्यक जानकारियों के बारे में चार्ट एवं विडियो के माध्यम से जागरूक करने का प्रयास किया गया | हमारे इस काम में ट्रेफिक हवलदार राजकुमार पाण्डेय जी ने सहयोग दिया और हमने लोगो की प्रतिक्रिया भी ली जिनमें से विशाल श्रीवास्तव ने कहा की उन्हें हमारा काम बढ़िया लगा तथा उन्होंने शिक्षाशास्त्र विभाग की NSS टीम को शुभकामनाएं भी प्रेषित किया और हमारा मार्गदर्शन भी किया। उनके लिए हमारे हमारी टीम ने धन्यवाद दिया|

मार्च 03,2023

कार्यक्रम का नाम: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
कार्यक्रम स्थल: शिक्षाशास्त्र विभाग , कला संकाय
विद्यार्थियों की संख्या: 60

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं पर हो रहे लैंगिक भेदभाव और महिलाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की हिंसा और दुर्व्यवहार पर ध्यान आकर्षित करना और उसे खत्म करना है। शिक्षाशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों को इस दिवस के महत्त्व से अवगत करने हेतु विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया| विद्यार्थियों को शिक्षाशास्त्र विभाग के डॉ मनीष कुमार गौतम द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इतिहास से परिचय करवाया गया | डॉ मनीष ने बताया की महिला दिवस 08 मार्च 1975 से प्रत्येक वर्ष मनाया जा रहा है। हालांकि इतिहासकारों के मुताबिक महिला दिवस मनाने की शुरुआत 28 फरवरी 1908 में महिला मजदूर आंदोलन से हुई थी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर की करीब 15 हजार से अधिक महिलाओं ने इसमें हिस्सा लिया था और पुरुषों के बराबर अधिकार की मांग की थी। इतिहासकारों के मुताबिक रूसी महिलाओं ने 28 फरवरी 1908 को पहले विश्व युद्ध का विरोध करते हुए महिला दिवस मनाया था। इसमें काम करने के समय को कम करवाने तथा अच्छी तनख्वाह व समाज में पुरुषों के बराबर अधिकार के मुद्दे थे। अपने व्यक्तव में डॉ मनीष ने इस वर्ष के थीम "एम्ब्रेस इक्विटी" के बारे में भी विद्यार्थियों को अवगत कराया । इस विषय पर ये बातचीत होगी कि कैसे सिर्फ समान अवसर सुनिश्चित करना ही काफी नहीं है। इक्विटी कितनी महत्वपूर्ण है। बीते वर्ष यानी 2022 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2022 की थीम 'जेंडर इक्वैलिटी फॉर ए सस्टेनेबल टुमारो' यानी एक स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानता रही थी। दिवस की सामान्य जानकारी के बाद विद्यार्थियों ने सोहबतिया बाग़ स्थित मलिन बस्ती का दौरा किया तथा वहां महिलाओं की स्थिति का सर्वे किया तथा केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान हेतु चलाये जा रहे विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक भी किया |

विद्यार्थियों को शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य एवं महिला विमर्श की विद्वान डॉ कविता सिंह का उद्बोधन प्राप्त हुआ| डॉ कविता ने समाज एवं विद्यालयों में हो रहे लैगिक विभेद के संप्रत्यय को व्यावहारिक उदहारण द्वारा स्पष्ट किया | समाज में लिंग के आधार पर कार्य विभाजन एवं समान कार्य हेतु असमान वेतन आदि तमाम मुद्दों को विद्यार्थियों के साथ साँझा किया | डॉ कविता ने यह भी स्पष्ट किया की पितृसतात्मक समाज में पुरूषों के ऊपर पड़ने वाले अनावश्यक दबाओं के बारे में भी चर्चा की | डॉ कविता ने अपने कविता संग्रह पुस्तक 'हम गुनेहगार एवं बेशर्म औरतें' से कुछ चुनिन्दा कविता का पाठ भी किया| डॉ कविता ने सत्र के अंत में विभिन्न विद्यार्थियों के प्रश्नों का भी उत्तर दिया विद्यार्थियों ने सर्वे के दौरान अपने अनुभवों को भी साझाँ किया|

द्वितीय दिवस: मार्च 19,2023

कार्यक्रम का नाम: स्वच्छता ही सेवा & अतीत को जानो

कार्यक्रम स्थल: चंद्रशेखर आज़ाद पार्क , प्रयागराज

विद्यार्थियों की संख्या: 50

डॉ मनीष कुमार गौतम के नेतृत्त्व में शिक्षाशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने चंद्रशेखर आज़ाद पार्क स्थित शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की प्रतिमा पर सर्वप्रथम माल्यार्पण किया| विद्यार्थियों ने शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की प्रतिमा के प्रांगण की विधिवत सफाई की | विद्यार्थी छोटी छोटी टुकड़ियों में बंट कर पुरे प्रांगण से प्लास्टिक के बने सामानों को एकत्र किया तथा वहां उपस्थित जनसमूह को प्लास्टिक का उपयोग न करने हेतु प्रेरित भी किया | स्वच्छता कार्यक्रम के उपरांत विद्यार्थियों ने बीए प्रथम वर्ष के दिव्यांशु यादव (प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक) के निर्देशन में योगाभ्यास किया| साथ ही अष्टांग योग एवं पञ्च तत्वों के संदर्भ में भी विद्यार्थियों को जानकारी उपलब्ध कराई| शिक्षाशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय संग्रहालय इलाहाबाद संग्रहालय, प्रयागराज का भ्रमण किया| भ्रमण में विद्यार्थियों के साथ सोहबतियाबाग़ मलिन बस्ती के बच्चो को भी सम्मिलित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य अपने अतीत के गौरवशाली इतिहास को जानने का अवसर प्रदान करना था| संग्रहालय के निदेशक श्री राजेश प्रसाद, IAS ने विद्यार्थियों को संबोधित किया तथा ऐतिहासिक दृष्टि से संग्रहालय के महत्त्व को रेखांकित किया | श्री प्रसाद ने बताया की इलाहाबाद संग्रहालय ने आगंतुकों के विभिन्न वर्गों को उनके स्वाद और पसंद के अनुसार पूरा करने की पहल की है और तदनुसार नई सामग्री और अनुभवों को उत्पन्न करके उन्हें अधिक व्याख्यात्मक और मनोरंजक और आकर्षक बनाने के लिए प्रदर्शनी तैयार और डिजाइन करता है ताकि संग्रहालय बनाया जा सके। विभिन्न डिजिटल राजपत्रों और सॉफ्टवेयर का उपयोग करके कहानी कहने के तरीके में अधिक अंतःक्रियात्मक और व्याख्यात्मक है। संग्रहालय में प्रदर्शित कलाकृतियों की आगंतुक की व्याख्या के अनुभव भौतिक वस्तुओं की तुलना में अधिक खुशी पैदा करने के लिए हैं जो वे आमतौर पर अनुभव करते हैं क्योंकि वे समय के साथ सकारात्मक व्यक्तिगत यादें प्रदान करते हैं। इस संग्रहालय में जाकर विद्यार्थियों ने भारतीय ऐतिहासिक धरोहरों में अपनी पहचान, अपनी अस्मिता से और अधिक जुडाव महसूस किया| निदेशक महोदय ने विद्यार्थियों को मार्कन्डेय स्मृति संवाद हेतु विद्यार्थियों को आमंत्रित भी किया | कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष कुमार ने निदेशक महोदय एवं उनकी पूरी टीम का धन्यवाद ज्ञापन किया | संबोधन के उपरांत विद्यार्थियों एवं बच्चो ने संग्रहालय के विभिन्न वीथिकाओ का अवलोकन किया तथा संग्रहालय के गाइड के नेतृत्त्व में भ्रमण किया|भ्रमण के पश्चात विद्यार्थियों ने मार्कन्डेय स्मृति सवांद में हिस्सा लिया तथा हिंदी के विभिन्न विद्वानों से सवांद करने का अवसर प्राप्त किया | कार्यक्रम के उपरांत राष्ट्रगान से कार्यक्रम की समाप्ति हुई |

मार्च 20, 2023

कार्यक्रम का नाम: श्रम का सम्मान
कार्यक्रम स्थल: शिक्षाशास्त्र विभाग
विद्यार्थियों की संख्या: 50

श्रम के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के उद्देश्य के साथ शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सफाईकर्मी श्री रमेश दादा और माली श्री नीरज का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया| यह कार्यक्रम श्रम के प्रति आदर के भाव को रेखांकित करते हुए था| समाज के व्याप्त श्रम के स्तरीयकरण एवं उसके आधार पर किसी कार्य को कमतर एवं किसी कार्य को अधिक तवज्जो समाज द्वारा दी जाती है यह किसी भी श्रम के प्रति अनादर भाव को दर्शाता है श्रम के प्रति सम्मान सामाजिक विसंगतियों को ख़त्म करने हेतु अति आवश्यक है| दोनों अतिथियों ने शिक्षा विभाग में वृक्षारोपण किया |

मार्च 20, 2023

कार्यक्रम का नाम: स्वयंसेवी संस्थानों द्वारा शिक्षा जगत में किये जा रहे प्रयास
कार्यक्रम स्थल: शिक्षाशास्त्र विभाग , ऑनलाइन माध्यम द्वारा
विद्यार्थियों की संख्या: 75

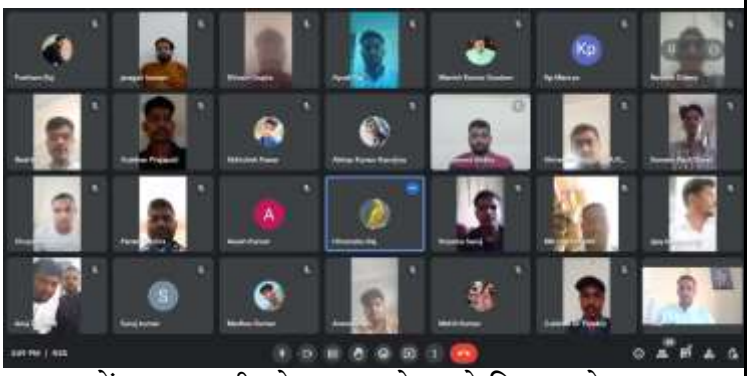

दिल्ली स्थित 'टीच फॉर इंडिया' स्वयंसेवी संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक श्री प्रथमराज ने विद्यार्थियों के सम्मुख स्वयंसेवी संस्थानों द्वारा शिक्षा जगत में किये जा रहे प्रयास विषय पर अपने विचार रखे | श्री प्रथम राज ने विद्यार्थियों को वंचित वर्ग की शिक्षा, डिजिटल युग में शिक्षा की पहुँच तथा क्राफ्ट आधारित शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न

पहलुओं पर गूगल मीट के माध्यम से अपने विचार रखे | सभी विद्यार्थियों ने शिक्षा विभाग के मल्टीमीडिया सभागार में एक साथ बैठ कर श्री राज के व्यक्तव्य को सुनातथा परिचर्चा में सक्रिय भागीदारी की | श्री प्रथम राज ने वंचित वर्ग की शिक्षा हेतु स्वयंसेवी संस्थानों द्वारा किये जा रहे प्रयाशों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया| सुचना प्रौधोगिकी के माध्यम से वंचित वर्ग के बच्चो के लिए सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करने टीच फॉर इंडिया के प्रयासों के बारे में बताया साथ ही इस योजना को लागु करने में होने वाली व्यावहारिक समस्याओं से भी विद्यार्थियों का परिचय कराया| श्री राज ने विद्यार्थियों से क्रियाकलाप के माध्यम से कुछ क्राफ्ट आधारित शिक्षण व्यवहारों का प्रदर्शन भी कराया तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 में परिलक्षित 'दस बैग विहीन दिवस' एवं व्यवसायिक शिक्षा के संदर्भ में श्रम में महत्त्व को रेखांकित किया| विद्यार्थियों ने व्याख्यान के बाद श्री राज से अपने अपने प्रश्नों का उत्तर प्राप्त किये | परिचर्चा के बाद डॉ मनीष द्वारा परिचर्चा में भाग लेने हेतु श्री प्रथम राज एवं विद्यार्थियों को धन्यवाद ज्ञापित किया | कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ|

मार्च 21, 2023

कार्यक्रम का नाम: डिजिटल साक्षरता जागरूकता अभियान

कार्यक्रम स्थल: विश्वविद्यालय के आस पास के क्षेत्र

विद्यार्थियों की संख्या: 75

शिक्षाशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने छोटे छोटे ग्रुप में विभक्त होकर विश्वविद्यालय के आस पास के इलाकों कटरा, छोटा बगाडा, सलोरी एवं सोहबतियाबाग में लोगो को डिजिटल साक्षरता एवं डिजिटल फ्रौड के बारे में जागरूकता अभियान चलाया| UPI एवं डिजिटल लेनदेन के बढ़ते चलन के बीच साईबर क्राइम की संख्या भी बढ़ रही है| सुरक्षित डिजिटल लेन देन के प्रति डिजिटल ट्रांजेकसन को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों ने ई-रिक्शा चालकों, छोटे दुकानदारों को जागरूक किया |

मार्च 21, 2023

कार्यक्रम का नाम: स्ट्रेस मैनेजमेंट कार्यशाला

कार्यक्रम स्थल: शिक्षाशास्त्र विभाग

विद्यार्थियों की संख्या: 75

प्रख्यात मनोविज्ञानी परामर्शक श्रीमति (डॉ) हिमानी उपाध्याय ने शिक्षाशास्त्र विभाग के मल्टीमीडियासभागार में स्ट्रेस मैनेजमेंट पर कार्यशाला का नेतृत्त्व किया | डॉ. हिमानी सबसे पहले कुछ क्रियाकलाप विद्यार्थियों से करवाया जिससे उनकी एकाग्रता एवं उनके सकारात्मक दृष्टिकोण को परखा जा सके| डॉ हिमानी ने स्ट्रेस के संप्रत्यय को सैधांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक उदाहरणों द्वारा स्पष्ट किया| डॉ हिमानी ने स्पष्ट किया की मानसिक तनाव आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी आम समस्या है पर जागरूकता के अभाव में अधिकतर लोग इसकी ओर ध्यान नहीं देते। अगर सही समय पर उपचार न किया जाए तो शारीरिक स्वास्थ्य पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ता है। कुछ कार्यों में अच्छे प्रदर्शन के लिए थोड़ा तनाव होना जरूरी है। मसलन, खेल के मैदान, परीक्षा हॉल और स्टेज पर काम करते समय जब तक व्यक्ति के मन में थोड़ा तनाव नहीं होगा तो वह अच्छे ढंग से अपना कार्य पूरा नहीं कर पाएगा। डॉ हिमानी ने तनाव के दो प्रकार बताएं हैं-यूस्ट्रेस जो इच्छित तनाव है तथा यह खतरनाक नहीं होता बल्कि आवश्यक होता है जो व्यक्ति को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रखता है; दूसरा डिस्टेंस जो अनैच्छिक होता है तथा इस पर व्यक्ति नियंत्रण नहीं रख सकता और कई परेशानियां खड़ी करता है इसे नेगेटिव स्ट्रेस (stress management) भी कहा जा सकता है।डॉ हिमानी ने तनाव प्रबंधन के

कुछ समान्य उपाय बतलाये जैसे तनाव होने पर हमेशा चीजों को सकारात्मक तरीके से देखने की कोशिश करनी चाहिए। कुछ मामलों में हो सकता है कि आपको फ्रेश स्टार्ट की भी जरूरत पड़े। पर्याप्त नींद व आराम मिलने से हमारा शरीर व मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। समय पर नींद लेने से व्यक्ति की कार्यक्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही तनाव में भी कमी लाने में मदद मिलती है। अपने मित्रों के साथ अच्छा व्यवहार करे तथा अच्छे लोगों के साथ दोस्ती रखना, तनाव को कम करने या समाप्त करने में सबसे अधिक मददगार हो सकता है| कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष ने डॉ हिमानी के ओजस्वी उद्बोधन एवं व्यवहारपरक उदाहरणों से तनाव प्रबंधन के गुणों को सिखलाने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया | कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ|

मार्च 22, 2023

कार्यक्रम का नाम: स्वच्छता ही सेवा

कार्यक्रम स्थल: कटरा क्षेत्र

विद्यार्थियों की संख्या: 75

शिक्षा शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने पुरानी कटरा में स्थित प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को स्वच्छता एवं उत्तम स्वास्थ हेतु जागरूगता कार्यक्रम का आयोजन किया और उनके स्वास्थ्य को लेकर भी बातो को बताया| विद्यालय में उपस्थित विद्यार्थियों में सबसे स्वच्छ विद्यार्थियों को पुरुस्कृत भी किया गया

इसके उपरांत शिक्षा शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों कटरा स्थित एक मुहल्ले में गई लोगों से जनसंपर्क करने तो वहा की गन्दगी देख के वहा के लोगो से राय ली कई लोगों का कहना है की वहां नगर पालिका की टीम जाती हि नहीं और वहां रूकसाना जी ने बताया की साफ सफाई के लिए कोई भी नहीं आता हमारी टीम ने उनको आश्वस्त किया। शिक्षा शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने नगर निगम की टीम के साथ मिल कर प्रभावित क्षेत्र में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया जिसमें विद्यार्थियों के साथ वहां के स्थानीय लोगों ने भी साथ दिया|

मार्च 23, 2023

कार्यक्रम का नाम: स्वयंसेवा क्षेत्र में रोजगार के अवसर

कार्यक्रम स्थल: शिक्षाशास्त्र विभाग

विद्यार्थियों की संख्या: 80

पानी फाउंडेशन के कार्यक्रम समन्वयक श्री शिवानन्द शुक्ला जी एवं HCL फाउन्डेशन के श्री गोविन्द जी ने विद्यार्थियों को समाजसेवा में रोजगार के अवसर एवं स्वयं के समाजसेवी संस्थान खोलने हेतु प्रक्रिया के बारे में शिक्षा शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों को अवगत कराया| श्री शिवानन्द शुक्ला जी ने समाजसेवा में रोजगार के अवसर एवं पेशेवर कौशलों के बारे में सविस्तार से बतलाया | श्री शुक्ला जी ने अपने 10 वर्षों के कार्यक्षेत्र के अनुभवों के आधार पर विद्यार्थियों को कुछ पेशेवर कौशलों के बारे में बतलाया | सामाजिक सेवा में मास्टर प्रोग्राम (MSW) तथा रूलर मैनेजमेंट में MBA के बाद कोई भी व्यक्ति सीधे किसी भी स्वयंसेवी संस्थान में पेशेवर स्वयंसेवक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकता हैं | गाँधी फेलोशिप आदि अनेक फेलोशिप भी स्नातक के बाद उपलब्ध हैं जो एक पेशेवर स्वयंसेवी के रूप में किसी को स्थापित होने में मदद करते हैं | HCL फाउन्डेशन के श्री गोविन्द जी ने विद्यार्थियों को ट्रस्ट, सामाजिक संस्थान या सोसाइटी के निर्माण के लिए वैधानिक प्रावधानों के बारे में विद्यार्थियों को बतलाया| साथ ही किसी ट्रस्ट, सामाजिक संस्थान या सोसाइटी के मध्य क्या मुख्य अंतर होता है साथ ही उनके स्थापना के उद्देश्यों . टैक्स आदि पक्षों पर भी प्रकाश डाला| दोनों अतिथियों ने अपने व्याख्यान के बाद विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए | कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष ने दोनों अतिथियों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया|

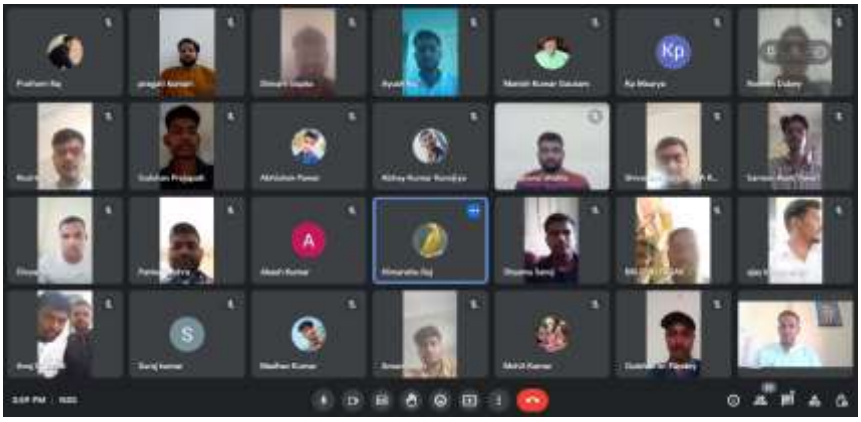

षष्ठ दिवस : मार्च 23 , 2023

कार्यक्रम का नाम: स्वच्छता ही सेवा

कार्यक्रम स्थल: कटरा क्षेत्र

विद्यार्थियों की संख्या: 75

विशेष शिविर के छठे दिन विद्यार्थियों ने प्राथमिक विद्यालय,पुराना कटरा (अंग्रेजी माध्यम) का भ्रमण किया तथा प्रधानाध्यापक की अनुमति से विद्यार्थियों के लिए प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया| स्कूल के विद्यार्थियों को स्वच्छता एवं स्वास्थ पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन विद्यार्थियों द्वारा किया गया | स्वयंसेवक अजित, पवन एवं अभिषेक ने विद्यार्थियों को हाथ धोने की सही विधि का प्रदर्शन किया | साथ ही विद्यार्थियों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने हेतु सबसे स्वच्छ विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया| विद्यार्थियों में से एम.एड. कर रहे विद्यार्थियों ने कक्षाओं में जाकर के विधार्थियों को रोचक ढंग से आगमन-निगमन विधि, एक्टिविटी द्वारा गणित, हिंदी एवं पर्यावरण शिक्षा को पढाया | विभिन्न कक्षाओं में शिक्षण-अधिगम हेतु प्रभावी वातावरण का अवलोकन भी विद्यार्थियों द्वारा किया गया | प्राध्यापक महोदया से सवांद के क्रम में विद्यार्थियों को ऐसे कुछ विद्यार्थियों के बारे में पता चला जो अब विद्यालय की पढाई बीच में छोड़ चुके है या लम्बे समय से अनुपस्थित हैं| गोपनीयता को बनाये रखने के विश्वास के साथ विद्यार्थियों ने ऐसे विद्यार्थियों की सूची बनाई तथा उनके परिवार से बात करने हेतु वरिष्ठ विद्यार्थियों की एक टीम बनाई गयी | विद्यालय की प्राचार्या द्वारा विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया साथ ही अगले दिन फिर से आने हेतु निमंत्रित भी किया |

अप्रैल 10, 2023

कार्यक्रम का नाम: व्याख्यान 'सोशल मीडिया: माइंड ब्रेन एंड बिहेविअर''

कार्यक्रम स्थल: शिक्षाशास्त्र विभाग

विद्यार्थियों की संख्या: 75

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 'व्यवहार और संज्ञानात्मक विज्ञान केंद्र' के सहायक आचार्य डॉ जे.पि. सिंह पटेल ने 'सोशल मीडिया: माइंड ब्रेन एंड बिहेविअर' पर अपने विचार रखे| डॉ पटेल ने सोशल मीडिया के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव के बारे में विद्यार्थियों की सहायता से स्पष्ट किया| साथ ही सोशल मीडिया एडिक्शन व्यक्ति

क्यों करते हैं, उसके लिए मष्तिक किस प्रकार योगदान देता है तथा हम क्यों सोशल मीडिया में बारम्बार देखते हैं अपना फ़ोन चेक करते हैं, फ़ोन दूर होने पर बैचैन हो जाते हैं| डॉ जे. पि. ने स्पष्ट किया की मस्तिष्क में डोपामीन इस तरह के व्यवहार के लिए उत्तरदायी होता है| डोपामिन रिवॉर्ड-मोटिवेशन सिधांत पर कार्य करता हैं| स्मार्ट फ़ोन या सोशल मीडिया का अतिशय प्रयोग व्यक्ति में वोर्किंग मेमोरी तथा एकाग्रता के समय को भी प्रभावित करता हैं |इससे बचने हेतु डॉ पटेल ने बताया की रियल-लाइफ सबंध , अच्छे मित्र, शाररिक व्यायाम , योग काफी सहायक सिद्ध होते हैं | डॉ मनीष ने डॉ पटेल का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया|